बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि के सम्मान में
सिद्धयोग शक्तिपात ध्यान-शिविर™ २०२४
एक स्वर्णिम वर्षगाँठ

१५ सितम्बर, २०२४

आत्मीय पाठक,

नमस्ते।

आने वाले लगभग एक माह में आपके पास एक स्वर्णिम अवसर होगा जब आप बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि के सम्मान में सिद्धयोग शक्तिपात ध्यान-शिविर में भाग ले सकेंगे। सिद्धयोग पथ पर, इस वर्ष, हम उस शक्तिपात ध्यान-शिविर की ५०वीं वर्षगाँठ अर्थात् स्वर्णिम वर्षगाँठ मना रहे हैं जिसकी संरचना व जिसका आयोजन बाबा जी ने सर्वप्रथम सन् १९७४ में किया था।

सिद्धयोग शक्तिपात ध्यान-शिविर २०२४ का मुख्य केन्द्रण है, बाबा जी की यह सिखावनी :

> "शरीर स्वात्मा का मन्दिर है।"

ध्यान-शिविर में आप इस रूपान्तरणकारी सिखावनी पर बाबा जी द्वारा दिया गया वह प्रवचन सुनेंगे जो उन्होंने सन् १९७४ में शक्तिपात ध्यान-शिविर के प्रथम दिवस पर दिया था। आप इस बात का अन्वेषण भी करेंगे कि कैसे बाबा जी की सिखावनी, वर्ष २०२४ के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश के विषय में आपकी समझ व आपके अनुभव में वृद्धि करती है।

ध्यान-शिविर में गुरुमाई जी अपने संकल्प द्वारा शक्तिपात दीक्षा प्रदान करती हैं अर्थात् कुण्डलिनी शक्ति को जाग्रत करती हैं। इस जागृति से हमारे लिए यह सम्भव हो पाता है कि हम आत्मा की अनुभूति कर सकें और अन्ततः आत्मा में ही अवस्थित हो जाएँ जो कि हमारे अन्तर में विद्यमान अविचल शान्ति व आनन्द का स्रोत है। आप में से जिन लोगों ने इससे पहले शक्तिपात ध्यान-शिविर में भाग लिया है, वे जानते हैं कि कैसे यह कृपापूरित कार्यक्रम अपनी आत्मा से जुड़ने तथा साधना के प्रति अपनी वचनबद्धता को पुनः नवीन करने का एक सशक्त माध्यम है।

***

सिद्धयोग शक्तिपात ध्यान-शिविर ऐसा एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसके अन्तर्गत हम सिद्धयोग की सिखावनियों व अभ्यासों में स्वयं को निमग्न कर देते हैं। यह कार्यक्रम भाग ले रहे सिद्धयोग आश्रमों, ध्यान-केन्द्रों तथा नामसंकीर्तन एवं ध्यान-केन्द्रों पर, स्थान के अनुसार, शनिवार, २६ अक्टूबर अथवा रविवार, २७ अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। शक्तिपात ध्यान-शिविर के बारे में और अधिक जानने हेतु एवं भाग लेने, पंजीकरण कराने और पूर्व-तैयारी करने के विषय में जानकारी प्राप्त करने हेतु शक्तिपात ध्यान-शिविर की मिनी-साइट देखें।

इस वर्ष के ध्यान-शिविर का सिद्धयोग ध्यान-शिक्षक होने के नाते मैं आपको आमन्त्रित करता हूँ कि आप समय निकालकर इसमें भाग लें। सिद्धयोग शक्तिपात ध्यान-शिविर २०२४ के पावन वातावरण में आपके सान्निध्य में होने की मुझे प्रतीक्षा रहेगी।

आदर सहित,
स्वामी ईश्वरानन्द

© २०२४ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।